# जीन परिवर्तित फसलों की प्रयोगशाला बंद

कई कृषि कंपनियां हवाई द्वीप कोआई का उपयोग अपनी जेनेटिक रूप से परिवर्तित फसलों और कीटनाशकों के परीक्षण के लिए करती आई हैं। मगर अब इस द्वीप की परिषद ने एक कानून पारित करके ऐसे परीक्षणों पर कई प्रतिबंध लागू किए हैं।

पिछले माह पारित इस विधेयक में सख्त नियमन शामिल किए गए हैं। जैसे अब कीटनाशकों के परीक्षण से पहले स्वास्थ्य पर उनके प्रभावों की जांच करनी होगी। इसके अलावा, स्कूलों, बगीचों, रिहायशी बस्तियों के आसपास बफर ज़ोन बनाने होंगे जहां ऐसी फसलों के परीक्षण नहीं किए जा सकेंगे। और सबसे बड़ी बात तो यह कही गई है कि इन कंपनियों को यह खुलासा करना होगा कि वे किस कीटनाशक या जेनेटिक रूप से परिवर्तित फसल का परीक्षण करने जा रही हैं। यह जानकारी कंपनियां प्रायः गोपनीय रखती हैं।

**वर्ग पहेली 110 का हल**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ए | वो | गै | ड्रो | | जी | | जू | आ |
| सि | | स | | क | व | च | | व |
| मो | | | प | ल | | र | | र्ध |
| व | ज्र | पा | त | | आ | स | व | न |
| | | | वा | ह | क | | | |
| अ | प्र | सा | र | | ल | ग | भ | ग |
| ज | | हु | | खा | न | | | ल |
| ग | | ल | व | क | | आं | | फ |
| र | फू | | क्र | | क | च | क | ड़ा |

यह देखा गया है कि यूएस में जेनेटिक रूप से परिवर्तित फसलें काफी मात्रा में उगाई जाती हैं जबकि युरोप में ऐसी फसलें ना के बराबर हैं। कारण यह है कि युरोप में इन फसलों के खिलाफ काफी ज़ोरदार जनमत है जबकि यूएस में जनमत इतना शक्तिशाली नहीं है। हवाई द्वीप का यह कदम यूएस में जेनेटिक रूप से परिवर्तित फसलों के नियमन का एक सशक्त प्रयास माना जा रहा है।

कोआई में इस विधेयक के पक्ष में अभियान का मुख्य फोकस पारदर्शिता पर रहा है। एक चिंता यह भी रही है कि इन परीक्षणों में प्रयुक्त कीटनाशक बस्तियों तक पहुंचे हैं और लोगों के स्वास्थ्य को प्रभावित किया है। वैसे हवाई के स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि कोआई द्वीप पर कैंसर के प्रकोप में वृद्धि का कोई प्रमाण नहीं है जबकि जेनेटिक फसलों के खिलाफ अभियानों का दावा है कि कीटनाशकों की वजह से कैंसर की घटनाएं बढ़ी हैं।

डुपॉन्ट पायोनियर जैसी कंपनियां इस विधेयक के विरोध में खड़ी हो गई हैं। उनका कहना है कि वे अपने प्रयोगों में सुरक्षा मानकों का पूरा ख्याल रखती हैं और नए प्रतिबंध अनुचित हैं। एक अन्य कंपनी बीएएसएफ का मत है कि कुछ एक्टिविस्ट लोगों ने गलतबयानी करके इन चीज़ों के खिलाफ माहौल खड़ा कर दिया है।

जेनेटिक रूप से परिवर्तित फसलों के मैदानी परीक्षणों को लेकर भारत में भी तीखी बहसें चल रही हैं। संभवतः यह मामला अगले माह सुप्रीम कोर्ट में उठेगा। उस लिहाज़ से हवाई द्वीप की बहस पर ध्यान देना उपयुक्त होगा। ***(स्रोत फीचर्स)***